D.El.Ed. IV Sem

Subject :- प्रारम्भिक स्तर पर भाषा एवं गणित के पठन-लेखन तथा संख्यापूर्व सम्बोधी क्षमताओं का विकास

Topic :- शब्द

शब्द की उत्पत्ति वर्णो से होती है। एक या अनेक वर्णो से बनी सार्थक ध्वनि को शब्द कहते है। कभी तो वर्णो को मिलाने से ऐसा संयोग होता है कि उसका कुछ न कुछ अर्थ होता है। परन्तु कभी-2 इनका कोई स्पष्ट अर्थ नही होता।

"निश्चित अर्थ को अभिव्यक्त करने वाले वर्णो के समूह को शब्द कहते हैं।" जैसे – मोहन, पुस्तक आदि।

उत्पत्ति या उद्गम के आधार पर शब्दो के प्रकार

- तत्सम
- तद्भव
- देशज
- विदेशज या विदेशी।

1. तत्सम

तत्सम का अर्थ है उसके (संस्कृत) समान अर्थात संस्कृत भाषा के वे शब्द जो हिन्दी मे ज्यो के त्यो प्रयुक्त होते हैं तत्सम शब्द कहलाते हैं। जैसे – माता, कवि, विद्या, मुनि, नदी आदि।

2. तद्भव

तद्भव का अर्थ है उससे उत्पन्न अर्थात संस्कृत से उत्पन्न। संस्कृत भाषा के वे शब्द जो अपने रूप को बदलकर हिन्दी मे मिल गये है तद्भव शब्द कहलाते है। जैसे – आग (अग्नि), घोड़ा (घोटक), दाँत (दन्त) आदि।

3. देशज

देशज वे शब्द है जिनकी व्युत्पत्ति का पता नही चलता। जो शब्द देश की विभिन्न भाषाओ मे हिन्दी मे अपना लिए जाते हैं उन्हे देशज व देशी शब्द कहते हैं। जैसे – गाड़ी, पेट, लोटा, चिमटा आदि।

4. विदेशज या विदेशी शब्द

विदेशी भाषाओ से हिन्दी भाषा मे आये शब्दो को विदेशी शब्द कहते हैं। जैसे – अंग्रेजी, उर्दू, अरबी, फारसी, से हिन्दी मे आ गये है। जैसे – रेडियो, स्कूल, आलू, कालीन, दाम आदि।

Thankyou

Scanned with CamScanner